RAJYA SABHA

Thursday, the 31st July, 2003/9 Sravana, 1925 (Saka)

The House met at eleven of the clock,
MR. CHAIRMAN in the Chair.

RE. DEMAND FOR DISCUSSION ON THE ISSUE OF NOT PROVIDING ALL THE EVIDENCES BY CBI TO THE COURT IN RELATION TO THE AYODHYA MASJID DEMOLITION CASE

श्री सुरेश पचौरी: (मध्य प्रदेश) सभापति महोदय, मैंने रूल 267 के तहत एक नोटिस दिया है, जिसमें यह है कि माननीय लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और उमा भारती से संबंधित जो भाषण थे अयोध्या के, उन वीडियो कैसेट को नष्ट करने की कोशिश की जा रही है। ...(**व्यवधान**)

श्री नीलोत्पल बसु (पश्चिमी बंगाल): सर, हमारी जो शिकायत थी, वह **शिकायत सिद्ध** हो गई। ...(**व्यवधान**)

श्री सुरेश पचौरी: सर, पूरे देश के लोकतंत्र का सवाल है, ऐसे व्यक्तियों के भाषण, जो जिम्मेदार हैं, उन साक्ष्य को समाप्त करने की कोशिश की जा रही हैं प्रधान मंत्री जी यहां मौजूद हैं। ...(**व्यवधान**)

श्री नीलोत्पल बसु: सर, प्रधान मंत्री बयान दें। ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी: प्रधानमंत्री जी आश्वासन दें कि जो भी माननीय लाल कृष्ण आडवाणी तथा अन्य से संबंधित साक्ष्य हैं सारे कोर्ट में उपस्थित किए जाएंगे। ...(**व्यवधान**)

श्री नीलोत्पल बसु: यह सरकार का रवैया है। ...(**व्यवधान**).... प्रधान मंत्री जी को बयान देना चाहिए। प्रधान मंत्री जी आश्वासन दें। ...(**व्यवधान**)

श्री सुरेश पचौरी: सर, पूरा देश जागरूक हैं, पूरा देश देख रहा है कि किस प्रकार से सत्ता का दुरुपयोग हो रहा हैं, किस प्रकार से साक्ष्यों को नष्ट करने की कोशिश की जा रही है? ...(**व्यवधान**)

श्री नीलोत्पल बसु: सर, प्र. ा मंत्री जी बयान दें यह हमारे बर्दाश्त के बाहर चला गया है। प्रधान मंत्री जी यहां मौजूद हैं। ...(**व्यवधान**)... क्यों नहीं बयान देंगे? ये सीबीआई के इन्चार्ज हैं। जब इस विषय पर सदन में बहस हुई थी, तो एक भी मिनट के लिए प्रधान मंत्री जी यहां नहीं आए। आज सौभाग्य से यहां मौजूद हैं। इनको सहयोग देना चाहिए। ...(**व्यवधान**).... जो सी.बीआई. के पास साक्ष्य हैं, वे भी कोर्ट में पेश नहीं हो रहे हैं। ...(**व्यवधान**)। साहब, प्रधान मंत्री जी को बयान देना होगा। आप प्रधान मंत्री जी को निर्देशित करें बयान देने के लिए। आप हम लोगों को संरक्षण दें। ...(**व्यवधान**)।

श्री सभापति: एक मिनट। ...(**व्यवधान**)... एक मिनट, आप बैठिए। माननीय सदस्यगण, इस विषय पर इस सदन में काफी चर्चा हो चुकी है। यह तो आपको जानकारी है। विशेष तौर से मैंनें इस विषय पर चर्चा करने की अनुमति दी है। लोकसभा में इस पर चर्चा नहीं हुई है, लेकिन उसकी एडमिसिबिलिटी के प्रश्न पर सारे मैटर रेज किए गए, जो भी इस सदन में रेज किए जा सकते थे उस समय किसी माननीय सदस्य ने यह शिकायत नहीं की होगी कि उसे बोलने का मौका नहीं दिया गया या किसी पर्टिकुलर मैटर में वह उल्लेख नहीं कर पाया। सब प्रकार की छूट थी अब वह छूट होने के बाद तो यह मामला कई दिनों तक कोर्ट में चलेगा। अब एक दिन कोर्ट में किस वकील ने क्या कहा, क्या नहीं हुआ, यदि उस इश्यू को लेकर हम चर्चा करते रहेंगे तो फिर हाऊस में कोर्ट की प्रोसीडिंग ही चलेंगी, जिसका असर न तो कोर्ट पर होगा और न कहीं और होगा। ...(**व्यवधान**) एक मिनट। एक मिनट, सुन लीजिए। दूसरा, क्वैश्चन आवर में ही यदि हम इस मामले को उठाएं तभी जाकर इसका महत्व बढ़ेगा, यह मैं मानने को तैयार नहीं हूं ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी: प्रधान मंत्री जी बैठे हैं।

श्री सभापति: एक मिनट, आप ठहर जाइए। ...(**व्यवधान**)... एक मिनट ठहरिए। ठहर जाइए, आप । मैं आपकी बात सुनू, तो आप मेरी बात भी सुनिए। माननीय सदस्यगण यदि मैं आपकी बात सुनू तो आप मेरी बात भी सुन लीजिए। मैं आपसे इतना ही निवेदन करना चाहता हूं कि यदि यही मामला आप प्रश्नकाल के बाद में उठाएं तो कौन सा भूकंप आने वाला है? ...(**व्यवधान**) यह आप हीं का किया हुआ फैसला है। प्रधानमंत्री कहीं भागकर नहीं जाने वाले। ...(**व्यवधान**)... यह तो मैं इसलिए ...(**व्यवधान**)..

श्री सुरेश पचौरी: सर, प्रधान मंत्री जी बोल दें कि हम 12:00 बजे के बाद बयान देंगे। ...(**व्यवधान**)...

श्री कपिल सिब्बल (बिहार): 12.00 बजे के बाद अगर प्रधान मंत्री जी यहां ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: कौन जवाब दे दे? ...(**व्यवधान**) क्वेश्चन ऑवर के बारे में प्रधानमंत्री जी क्या जवाब देंगे। मेरा कहना है। ...(**व्यवधान**)

श्री कपिल सिब्बल: हम भी नही चाहते कि क्वेश्चन ऑवर में डिसरप्शन हो। ...(**व्यवधान**)..

श्री सुरेश पचौरी: सीबीआई की कल की घटना से हमारा आरोप सिद्ध हो गया है। ...(**व्यवधान**)

श्री कपिल सिब्बल: हम भी नही चाहते कि क्वेश्चन ऑवर में डिसरप्शन हो। हम चाहते हैं कि प्रधान मंत्री जी यहां हैं, प्रधानमंत्री जी उठकर कह दें कि 12:00 बजे ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: प्रधानमंत्री जी नहीं कहें तो मेरी जिम्मेदारी तो नहीं है न। ...(**व्यवधान**)... आप लोग अचानक कोई मामला उठाएं, प्रधानमंत्री जी कहें या न कहे, उसके लिए चेयर रिस्पांसिबिल नहीं है। ...(**व्यवधान**)... यह नहीं होगा। ...(**व्यवधान**)... हर बार एक ही मैटर ...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसु: आप प्रधान मंत्री जी को निर्देशित कर दीजिए। (**व्यवधान**) **सर,** आप हमारे सदन के मैम्बर्स को संरक्षण दें। ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी: हम भी चाहते है कि प्रश्न काल चले। ...(**व्यवधान**)... प्रधानमंत्री जी के अधीन सीबीआई है और सीबीआई का मिसयूज़ इस देश के गृह मंत्री अपने बचाव के लिए कर रहे है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: पचौरी जी, एक बात सुन लीजिए। ...(**व्यवधान**)... आप एक बात सुन लीजिए। ...(**व्यवधान**)... अब यही बात अगर ...(**व्यवधान**)... ठहरिए, ठहरिए। आप बैठिए। बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)... यही बात आप क्वेश्चन ऑवर के बाद भी कह सकते है। आप कह सकते है। क्वेश्चन ऑवर के बाद। ...(**व्यवधान**)... अगर आप नही कहना चाहें तो आपकी मर्जी। ...(**व्यवधान**)... क्वेश्चन नं॰ 161 ...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसु: सभापति महोदय, प्रधान मंत्री जी को बयान देना होगा। ...(**व्यवधान**)... कल की घटना के बारे में प्रधान मंत्री जी को बयान देना होगा। ...(**व्यवधान**)...

सदन के नेता (श्री जसवंत सिंह): चेयरमैन साहब, मै अर्ज करना चाहता हूं कि बड़ी अच्छी बात है जो माननीय सदस्य ने कहा कि वे भी क्वेश्चन ऑवर चलाना चाहते है, हाऊस को डिसरप्ट नही करना चाहते । करने के बाद ऐसा कहना और भी ज्यादा अच्छा है। मेरा एक निवेदन है, माननीय सदस्यों ने कहा कि सीबीआई की कोई फाइल कोर्ट-कचहरी तक नहीं

पहुंचाई गई है, इसलिए हम क्वे॰ न ऑवर को रोकना चाहते हैं। कौन सी फाइल है? मेरी अर्ज़ यह होगी कि सीबीआई की कौन सा फाइल है, वह क्यों नहीं पहुंचाई गई, उसको लेकर क्वेश्चन ऑवर को न रोकें, माननीय प्रधान मंत्री जी इसकी पूरी जानकारी ले लेंगे। आपने अभी कहा है कि कोई फाइल नहीं पहुंचाई गई है। जब आपने कहा है कि कोई फाइल नही गई है तो उसकी जांच पड़ताल होगी और जांच-पड़ताल होने के बाद बता दिया जाएगा। ...(**व्यवधान**)... इसमें इतना उत्तेजित होने की क्या जरूरत है। ...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसु: माफ कीजिए, सर, नेता सदन, सदन को गुमराह कर रहे है। ...(**व्यवधान**)... कल सारा देश देख रहा था टेलीविज़न चैनल पर सीबीआई के जो काउंसल है, वे खुद बोल रहे थे कि हमारे पास ...(**व्यवधान**)... डिफेंस काउंसल बोल रहे थे कि जो ऐविडेंस है उनके ऊपर मामला ...(**व्यवधान**)... नेता सदन जानबुझकर जांच पड़ताल का सवाल उठा रहे है, सदन को गुमराह कर रहे है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी: वहां कोर्ट में भी अहलुवालिया जी आडवाणी जी की गलत पैरवी कर रहे है और यहां सदन में भी अहलुवालिया जी आडवाणी जी की गलत पैरवी कर रहे है।

श्री सभापति: अहलुवालिया जी हों या पचौरी जी हों, मेरे लिए संकट ही खड़ा कर रहे हैं।

THE LEADER OF THE OPPOSITION (DR. MANMOHAN SINGH): Mr. Chairman, Sir, we have great regard and respect for you. We want to fully cooperate with you in the orderly conduct of the business of this House. But, Sir, the whole world and all the news channels saw what happened yesterday in a particular court, with the rapacious handling of this particular case, arising out of the destruction of the Babri Masjid. All the newspapers, today, have highlighted the fact that some important documents—these are not ordinary documents—having vital bearing on the conduct of this case, have not been given by the CBI to the Court. Therefore, Sir, we feel the role of law in our country is becoming a mockery. And, this is something which is of the deepest concern to all of us. Therefore, we feel it is a fit subject which ought to merit a discussion. If you would like the discussion to take place immediately after Question Hour, we will wait for that. But, the discussion must take place. The whole country has seen this blatant misuse of the CBI and if we remain silent we will not be worthy of the mandate given to us.

SHRI KAPIL SIBAL: The Prime Minister is here. The Prime Minister can assure us.

SHRI JASWANT SINGH: Sir, I must respond to the hon. Leader of the Opposition. And, as always, we take seriously what the Leader of the Opposition says. I might have a different view when he says 'the whole world' has taken note. The 'whole world' is a very big concept. But, certainly ...*(Interruptions)*...

SHRI KAPIL SIBAL: The whole country....*(Interruptions)*...

SHRI NILOTPAL BASU: If you are happy with semantics ...*(Interruptions)*... Sir, he can get satisfaction with words. ...*(Interruptions)*... But, he is ridiculing the Government and the whole political system. ...*(Interruptions)*...

SHRI KAPIL SIBAL: ...*(Interruptions)*... the statement of 700 witnesses forwarded to the court. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: एक मिनट बैठिए ...(**व्यवधान**)... मेरी बात सुनिए ...(**व्यवधान**)... यह सब ठीक है ...(**व्यवधान**)... आप उनको सुन तो लीजिए। यह क्वेश्चन कोई वर्ड का नहीं है। आज आप जो बोल रहे हैं, यह टी॰वी॰ पर आएगा। आएगा ना? वैसे आपको जवाब मिल जाएगा ...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसु: हमने तो साफ बात कही है। हम जो कर रहे हैं, हम उसको महसूस करते है। हम चोरी-छिपे कोई बात नहीं कर रहे है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप बोलने दीजिए उनको ...(**व्यवधान**)... बोलिए ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए ...(**व्यवधान**)... सुनिए इनको सुनिए ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी: यह न्यूजपेपर रिपोर्ट के आधार पर बोला जा रहा है ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया (झारखंड): कंट्रोल करिए इनको ...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसु: क्यों कंट्रोल करेंगे? अगर नेता सदन शब्दों से खेलेंगे, semantics में जाऐंगे तो ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: अच्छा बोलने दीजिए उनको मिस्टर बसु ...(**व्यवधान**)...

SHRI JASWANT SINGH: Sir, I am not going either into semantics or dialetics. I am addressing the direct issue raised by the hon. Leader of the Opposition wherein he suggested that we have a discussion on a particular subject. Now, whatever the introduction that he might have chosen to lace his request with, that aside, he has suggested that we

need to have discussion on the state of law and legal system. Now, my submission is ...*(Interruptions)*...

SHRI NILOTPAL BASU: No, not the legal system, activities of the prosecution. The action of the prosecution and not the legal system ...*(Interruptions)*...

श्री सुरेश पचौरी: चर्चा के दौरान ही हमने आशंका व्यक्त की थी कि सारे सबूत रायबरेली की कोर्ट में पेश नही किए जाएंगे ...(**व्यवधान**)... ऐसी चर्चा का क्या औचित्य है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आपने कह दिया, कह दिया आपने, बैठिए ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी: इसलिए हम चाहते है कि प्रधानमंत्री जी इस सदन के जरिए देश को आश्वस्त करें कि सारे साक्ष्य जो कि इन लोगों से संबंधित थे, वे रायबरेली की कोर्ट में पेश किए जाएंगे ...(**व्यवधान**)... सरकार उनको बचाने की कोशिश कर रही है ...(**व्यवधान**)... श्री रामचन्द्र परमहंस की आत्मा ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: ठहरिए ...(**व्यवधान**)... चुप रहिए , थोड़ा-सा शांत रहो ...(**व्यवधान**)...

SHRI JASWANT SINGH: Mr. Chairman, Sir, you would appreciate the Government's position. We are ready for any discussion. Now, the fact of the matter is, that discussion has to be governed by the rules of the House. And, what is the theme of the discussion? What are we discussing? It is pretty obvious—we have witnessed that just now—there is a lot of passion, a lot of noise. But, none of the hon. Members that have stood up, has suggested what we have to discuss. ...*(Interruptions)*...

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, we have moved a proper notice ...*(Interruptions)*... We have given a proper notice. ...*(Interruptions)*... महोदय, आपके पास नोटिस है, उस नोटिस के ऊपर चर्चा हो। मैं इसलिए बार-बार बोल रहा हूं कि नेता सदन, इस सदन को गुमराह कर रहे है और डाईवर्ट करने की कोशिश कर रहे हैं।

यह हमारा नोटिस है उस पर यह चर्चा हो। आज क्वेश्चन ऑवर को बचाने की जितनी हमारी जिम्मेदारी है उतनी प्रधानमंत्री जी की भी है। ...(**व्यवधान**)...

SHRI KAPIL SIBAL: Mr. Chairman, Sir, the Leader of the Opposition has suggested them to have a discussion. ...*(Interruptions)*... What is happening in the House, Sir? ...*(Interruptions)*...

श्री सुरेश पचौरी: ...(**व्यवधान**)*...

श्री सभापति: यह मत कहिए। ...(**व्यवधान**)... ऐसा मत कहिए ...(**व्यवधान**)... It will not go on record. ...*(Interruptions)*...

श्री नीलोत्पल बसु: अब यह पकड़े गए हैं इसलिए मुश्किल हो रही है। हमारा मीडिया जागरूक है ...(**व्यवधान**)... हमने आपको नोटिस दे रखा है। उस नोटिस के अनुसार रूल के तहत डिस्कसन होना चाहिए। ...(**व्यवधान**)... सर, सी.बी.आई. का गलत इस्तेमाल हो रहा है ...(**व्यवधान**)... यह सरकार संसद में जवाबदेह हैं। ...(**व्यवधान**)....

श्री सभापति: बोलने दीजिए उनको।

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN (Kerala): Sir, let him give an assurance to the House. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: एक मिनट बैठिए। माननीय सदस्यों से मैं कहना चाहता हूं कि मनमोहन सिंह जी बोल रहे थे तो किसी भी माननीय सदस्य ने टोका नहीं। ये भी लीडर आफ दि हाऊस हैं। उनको पूरी बात तो करने दीजिए। करने के बाद में अगर आपको कुछ संदेह होगा तो आप क्वेश्चन कर सकते हैं। ...(**व्यवधान**)...

SHRI NILTOPAL BASU: Sir, the Government is accoutable for the actions of the CBI. We are not talking about the legal system. We are talking about the prosecution. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: आप बैठ जाइए, यह आपका विषय नहीं है। कोई रिकार्ड पर नहीं जाएगा। ...(**व्यवधान**)... कोई रिकार्ड पर नहीं जाएगा। आप बैठ जाइए, मेरी बात सुनिए। दो मिनट नहीं सुन सकते। आप मेरी बात दो मिनट नहीं सुन सकते मैं आधे घंटे से आपको सुन रहा हूं। मैं केवल आपको इतना ही निवेदन करना चाहता हूं कि जैसी इनकी हाउस में रेस्पेक्ट है वैसे ही रेस्पेक्ट लीडर आफ दि हाउस को आपको देनी चाहिए। सदन की परम्परा है। जब ये बोल रहे थे तो किसी ने नहीं टोका। अगर ये बोल लेते हैं तो आपको क्या आपत्ति है। ...(**व्यवधान**)... सारा व्यू पोइंट सामने आ जाएगा कि क्या करना है और क्या नहीं करना है। इसमें कोई टोका टाकी नहीं करेगा। मैं आप लोगों से रिक्वेस्ट करना चाहूंगा कि सदन में ऐसी परम्परा डालें कि कोई भी लीडर आफ दि अपोजिशन बोले तो सदन शांतिपूर्वक उसको सुने और उसी प्रकार से सरकारी पक्ष का कोई जिम्मेदार आदमी बोलता है तो उसको भी उसी प्रकार से सुनें। उसमें क्या बात निकलती है उस बात को लेकर कोई चर्चा होती है तो मैं भी हूं आप भी हैं ...(**व्यवधान**)...

---

*Not recorded.

SHRI JIBON ROY (West Bengal): Sir, how can this be allowed?...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: आप बैठिए। आप बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)... आप उनको बोलने तो दीजिए। ...(**व्यवधान**)... मेरी जानकारी में आया है कि यह क्वेश्चन लोक सभा में उठाया गया था और उसके बाद में क्वेश्चन ऑवर चला है। क्वेश्चन ऑवर के बाद में उस पर कोई चर्चा होगी।

श्री सुरेश पचौरी: माननीय सभापति महोदय, लोक सभा के बारे में यहां पर कोट नहीं होता। ...(**व्यवधान**)... लोक सभा में क्या हो रहा है वह यहां पर नहीं होता। ...(व्यवधान)...

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, the day before yesterday, the Lok Sabha was adjourned for the whole day because of the fighting of the *Sarkar* with its allies but we had conducted the normal business ...*(Interruptions)*... Therefore, Sir, don't tell us about ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Please take your seats. ....*(Interruptions)*.... Please take your seats. ....*(Interruptions)*.... Please take your seats. ....*(Interruptions)*.... Please take your seats. Let him speak. ....*(Interruptions)*.... Let him speak. ....*(Interruptions)*....

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, we had conducted the business in the House ...(Interruptions)...

श्री सभापति: आप बोलने तो दो उनको। ...(व्यवधान)

श्री नीलोत्पल बसु: सर, परसों लोक सभा पूरे दिन डिसरप्टिड रही है। ...(व्यवधान)...

श्री सुरेश पचौरी: सभापति जी, लोक सभा के बारे में यहां जिक्र किया गया है उसे कार्यवाही से विलोपित किया जाए, नहीं तो यह परम्परा बन जायेगी। ...(**व्यवधान**)... यह सदन की परम्परा नहीं बने इसलिए इसे रिकार्ड से विलोपित किया जाए ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: यह रिकार्ड से विलोपित नहीं होगा। ...(व्यवधान)...

SHRI JASWANT SINGH: Mr. Chairman, Sir, the Leader of the Opposition has suggested that we should have a discussion. The Government is ready for any discussion as long as it is within the rules and as decided by you on what date and at what time. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: वे कह रहे हैं कि हम तैयार हैं। ...(व्यवधान)...

श्री नीलोत्पल बसु: सर, यह घटना कल हुई है। हमारी शिकायत सिद्ध हो गई है। प्रधान मंत्री जी यहां पर मौजूद हैं। प्रधान मंत्री जी सीबीआई के इंचार्ज हैं। ...(**व्यवधान**)... प्रधान मंत्री जी को इसके बारे में बताना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

SHRI JASWANT SINGH: Sir, let me suggest this. The hon. Leader of the Opposition has said that if the Government says "yes", we are ready for a discussion, and then the Question Hour can go ahead and we will have a discussion subsequently. That is exactly what I am saying. Sir, you decide on what subject the discussion should be held, when it should be held, how long it should be held and under what rule it should be held. We should go ahead with the Question Hour. I don't know. *...(Interruptions)...*

SHRI SURESH PACHOURI: I have given notice under Rule 267. *...(Interruptions)...*

SHRI MOTILAL VORA (Chhattisgarh): It has been mentioned *...(Interruptions)...*

श्री जसवंत सिंह: वोरा साहब, आप क्यों अपने आप को तकलीफ दे रहे हैं। मैं अपनी बात खत्म कर दूं। अच्छा है तकलीफ न दें अपने आप को। ...(**व्यवधान**)... सर, आप जब चाहें, विषय स्पष्ट होना चाहिए। इसके लिए समय आप निर्धारित कर दें। यह भी निश्चित कर दें कि किस रूल के तहत इस पर चर्चा होगी। हमें कोई दिक्कत नहीं है। ...(**व्यवधान**)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH (Andhra Pradesh): The Government has accepted to take it up in today's business. ...(Interruptions)..

श्री नीलोत्पल बसु: सर, आप मानते हैं। सरकार इस पर चर्चा के लिए मान रही है। इसलिए इस पर 12 बजे चर्चा हो सकती है। ...(**व्यवधान**)...

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज): आज बीएसी की मीटिंग है। उसमें तय कर लीजिये। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: सवाल 12 बजे का नहीं है। देखिए, मुझे माफ करना। आपने जो मुझे नोटिस दिया है। उसे मैं पढ़कर सुनाता हूं। नोटिस आपका अंडर रूल 267 है:

> "Under rule 267 we hereby give notice for suspension of Question Hour to raise the issue of not providing all the evidences which are in the possession of CBI in relation to the Ayodhya Masjid demolition case."

यह आपका नोटिस है लेकिन आपने यह नहीं बताया है कि कौन-कौन सी फाइल सीबीआई की थीं। ...(**व्यवधान**)... आप बात सुनिए ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी: सर, उसके बारे में जब डिसकसन होगा तब बतायेंगे। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप मुझे लिखकर दे दीजिए कौन सी फाइल्स थीं। ...(**व्यवधान**)... मैं ऐसा समझता हूं कि आप मुझे उनके बारे में लिखकर दे दीजिए। ...(**व्यवधान**)... यह नहीं होगा। आप पहले लिखकर दे दीजिए कि सीबीआई की कौन सी फाइल वहां नहीं पहुंची। ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी: सभापति महोदय, मैं यह निवेदन कर रहा हूं कि जब डिसकसन होगा तब हम बता देंगे। ...(**व्यवधान**)... सात में से तीन के कैसेट्स दिये गये। यह सी बी आई के वकील ने खुद कहा है कि केवल तीन पर चार्जशीट बनेगी। जब वह बाहर निकले तो आडवाणी जी के वकील ने कहा कि चार्जशीट केवल तीन पर बनेगी। ...(**व्यवधान**)... सभापति महोदय, पहले डिसकसन की अनुमति दी जाये ...(**व्यवधान**)...

SHRI KAPIL SIBAL: Seven hundred witnesses have given statements. *...(Interruptions)...*

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: सर, इन्होंने जो बातें कही हैं। ये बातें एक्सपंज की जाये। ...(**व्यवधान**)...

श्री जीवन राय: सर, डिसकसन अभी शुरू होना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: सर, प्रश्न काल शुरू होना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: मेरी समझ में नहीं आ रहा है कि आप लोग क्या कह रहे हैं? ...(**व्यवधान**)... Please take your seats. *(Interruptions)...* Please take your Seats. *(Interruptions)...* क्या यह जरूरी है कि सभी सदस्य एक साथ बोलें? एक मिनट। एक साथ बोलने से टी॰वी॰ पर आयेगा ओर अकेले बोलने से टी॰वी॰ पर नहीं आयेगा? इस तरह की आपको कोई जानकारी है क्या कि जब आप अकेले बोलेंगे तो टीवी पर नहीं आएगा और एक साथ बोलेंगे तो टीवी पर आएगा। मैं समझता हूं कि पार्लियामेंटरी सिस्टम का जो डेकोरम है, उसको मैंटेन करना चाहिए। अगर आपको कुछ कहना है तो जैसा मनमोहन सिंह जी ने कहा, जसवंत सिंह जी ने कहा, सदन के सब माननीय सदस्यों ने सुना है, मैंने आपसे केवल इतनी सी रिक्वैस्ट ...(**व्यवधान**)... एक मिनट, आप मुझे सुन लीजिए। मैंने आपसे केवल इतनी सी रिक्वैस्ट की है कि जो आपने नोटिस दिया है, उस नोटिस के डिटेल्स आप मुझे दे दें। मैं गवर्नमेंट को वह डिटेल्स दूंगा और गवर्नमेंट डिटेल्स आज कमिट करती है ...(**व्यवधान**)... एक मिनट

रुकिए, बैठ जाइए। मैं गवर्नमेंट को वह डिटेल्स भेजूंगा और जैसा लीडर ऑफ दी हाउस ने कहा कि रूल्स में आता होगा तो उसके अनुसार कोई समय निश्चित किया जाएगा और समय निश्चित करने के बाद आपको जवाब मिल जाएगा आपको इसमें आपत्ति क्या है? आप जवाब ही तो चाहते हैं। जवाब किस बात का चाहते हैं, वही तो देना है। ...(व्यवधान)... फिर सब खड़े हो गए हैं। मैं समझता हूं कि यह ठीक नहीं है। ...(व्यवधान)... मैं इतना ही कहना चाहता हूं, इस हाउस में जो सीनियर मैंबर्स बैठे हैं, मैं उनसे रिक्वैस्ट करना चाहूंगा कि हाउस की परम्पराएं खराब नहीं होनी चाहिए। मैं आपको याद दिलाना चाहूंगा कि स्वर्ण जयंती के अवसर पर आपने और हम सबने मिलकर यह सौगंध खायी थी कि क्वेश्चन ऑवर के ऐडजर्नमेंट की मांग कभी नहीं करेंगे। ...(व्यवधान)...

श्री हंसराज भारद्वाज (मध्य प्रदेश): उसके बाद क्या हो रहा है? ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: बाद में कुछ हुआ है या नहीं हुआ है। ...(व्यवधान)... मान लीजिए ...(व्यवधान)... यह गलत बात है। ...(व्यवधान)... यह चीज़ मत करिए। आप अपनी परम्पराओं को तोड़ रहे हैं ...(व्यवधान)... यह ठीक नहीं है। ...(व्यवधान)... आप जो बोलना चाहते हैं बोलिए पर यह रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा। ...(व्यवधान)...

श्री कपिल सिब्बल: *

श्री सुरेश पचौरी: *

श्री नीलोत्पल बसु: *

श्री जीवन राय: *

श्री सभापति: पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर कुछ कहना चाहती हैं ...(व्यवधान)... उनको सुन तो लीजिए। ...(व्यवधान)... सुनिए तो सही। ...(व्यवधान)... पचौरी जी, सुनिए। ...(व्यवधान)... एक मिनट उन्हें सुन लीजिए। बैठ जाइए ...(व्यवधान)... यह गलत बात है। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सभापति जी, इस समय जो नोटिस विपक्ष के सांसदों की तरफ से दिया गया है ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर को सुन लीजिए। ...(व्यवधान)... आप उन्हें बोलने जो दीजिए, आपको दिक्कत क्या है? ...(व्यवधान)... एक बार बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)... इससे कोई मतलब नहीं है। ...(व्यवधान)... आप लोग इतना बोल रहे हैं, पार्लिग्रामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर बोलना चाहती हैं तो उन्हें बोलने दीजिए। क्यों नहीं बोलने दे रहे? ...(व्यवधान)... बोलने दीजिए ...(व्यवधान)... दिक्कत क्या हो रही है ...(व्यवधान)...

---

*Not recorded.

यह रिकार्ड पर नहीं जा रहा है ...(**व्यवधान**)... एक मिनट सुन लीजिए ...(**व्यवधान**)... आप सुनने दीजिए न ...(**व्यवधान**)...

श्री जीवन राय: *

श्री सुरेश पचौरी: *

श्रीमती सुषमा स्वराज: सभापति जी, ...(**व्यवधान**)... विपक्ष के माननीय सांसदों ने जो नोटिस दिया है ..(**व्यवधान**).. उसमें उन्होंने प्रश्न काल को स्थगित करने का निवेदन किया है ...(**व्यवधान**)... इसलिए इस सदन के सामने केवल यह प्रश्न है कि प्रश्न काल स्थगित किया जाए या नहीं ...(**व्यवधान**)... जिस पर आपकी रूलिंग फाइनल है ...(**व्यवधान**)... जहां तक चर्चा का विषय है ...(**व्यवधान**)... बी॰ए॰सी॰ की मीटिंग में यह तय हो सकता है कि चर्चा कब हो या कब नहीं हो ...(**व्यवधान**)... इस समय सदन के सामने केवल यह प्रश्न है कि प्रश्न काल स्थगित किया जाए या नहीं ...(**व्यवधान**)... और इस पर आपकी रूलिंग फाइनल है और आपकी रूलिंग है कि प्रश्न काल स्थगित नहीं किया जा रहा है ...(**व्यवधान**)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH:*

MR. CHAIRMAN: They are not agreeing to it. ये तो आज ही डिसक्स करना चाहते हैं ...(**व्यवधान**)... जब कह दिया ...(**व्यवधान**)... मैं आपको बता दूं कि जब एक बार सरकारी पक्ष की तरफ से कह दिया कि आप क्या-क्या चाहते हैं उसकी जानकारी दे दीजिए, डेट तय कर दीजिए, बात करेंगे। ...(**व्यवधान**)... कह दिया कि आप जानकारी दें, लेकिन वे नहीं देना चाहते। ...(**व्यवधान**)... नहीं, बारह बजे या एक बजे का सवाल नहीं है, सवाल यह है ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: *

श्री सभापति: माननीय सदस्य, एक मिनट ...(**व्यवधान**)... एक मिनट। ...(**व्यवधान**).

श्री सुरेश पचौरी: *

श्री सभापति: एक मिनट, माननीय सदस्य, माफ करना, मुझे यह कहने में संकोच नहीं हो रहा है, यह हाउस केवल नारेबाज़ी के लिए नहीं है, सारे देश की जनता हमको देख रही है कि इस हाउस में हम किस प्रकार का व्यवहार कर रहे हैं। आज आप कोई प्रश्न उठाना चाहें, कोई मामला उठाना चाहें, उसके लिए नियम आपने बनाएं हैं, मैंने नहीं बनाएं हैं। उन नियमों का आपको भी पालन करना है, मुझे भी पालन करना है। आपने नियम के अंतर्गत क्वश्चन ऑवर को पोस्टपोन करने के लिए, स्थगित करने के लिए बात कही, अधिकार तो मुझे है ...(**व्यवधान**)... अधिकार तो मुझे है। मैंने आपको कह दिया कि मैं क्वश्चन ऑवर पोस्टपोन नहीं करूंगा। उसके बावजूद भी आज आप यह फैसला करें कि हम चेयर को नारेबाजी से दबा लें,

*Not recorded.

मैं समझता हूं कि यह लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं होगा। ...**(व्यवधान)**... आप तो मुझे ही बोलने नहीं दे रहे हैं। ...**(व्यवधान)**... नारेबाजी मत करिए, भाषण कीजिए। ...**(व्यवधान)**... मेरी बात सुन लीजिए मैं आपको ...**(व्यवधान)**... एक मिनट बैठ जाइये, एक मिनट बैठ जाइये। ...**(व्यवधान)**... पहले आप मुझे सुन लीजिए। ...**(व्यवधान)**... एक मिनट, मुझे सुन लीजिए। ...**(व्यवधान)**... एक मिनट आप बैठ जाइए। आप बैठिए। आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**... आप एक मिनट बैठिए। सिब्बल साहब, आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**... मैं भी आपका आदर करता हूं। मैं भी आदर करता हूं। आप बैठिए। मैं इतना निवेदन करना चाहता हूं, इतना मेरा निवेदन है कि जो कुछ आपने कहा ...**(व्यवधान)**... पहले सुन लीजिए। यह पक्ष और वह पक्ष, कोई भी पोस्टपोन की मांग करता है तो वाजिब नहीं हैं। ...**(व्यवधान)**... यह तो गलत बात है। मैं यह क्वैश्चन आवर पोस्टपोन नहीं करूंगा। ...**(व्यवधान)**... रिकार्ड में कुछ भी नहीं जा रहा है। ... **(व्यवधान)**... माननीय सदस्य, आप बैठ तो जाएं। ...**(व्यवधान)**... जीवन राय जी, बैठिए। आप जरा मुझे भी देख लिया करो, मैं इतना बदसूरत तो नहीं हूं। आप नीलोत्पल को ही देखते रहते हैं। हम भी इंसान हैं। इनके जितना खूबसूरत तो नहीं हूं लेकिन देख तो लिया करो कभी-कभी।

श्री अमर सिंह (उत्तर प्रदेश): सर, सदन में इनको क्या देखना।

श्री सभापति: आपको जलन हो गई क्या खूबसूरती की?

श्री बालकवि बैरागी (मध्य प्रदेश): आपको इसलिए इतनी देर तक लगातार नहीं देख सकते कि आप "भैरों" भी हैं और "सिंह" भी हैं।

श्री सभापति: फिर भी आप मेरी इज्जत नहीं करते।

श्री मोती लाल वोरा: ऐसा नहीं है, सर।

श्री राजू परमार (गुजरात): सर, ऐसा नहीं है।

श्री संतोष बागड़ोदिया (राजस्थान): ऐसा नहीं है। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: एक मिनट, मेरी बात तो सुन लीजिए।

माननीय सदस्यगण, मैं चाहूंगा कि सदन के बाहर माननीय विपक्ष के नेता, दो या तीन प्रतिनिधि जो वे साथ में लेना चाहें ले लें और सदन के नेता, ये दोनों सदन के बाहर बैठकर, जो भी सदस्य ये साथ लेना चाहें ले लें, बातचीत कर लें और उस बातचीत के समय तक 12:30 बजे तक सदन की कार्रवाई स्थगित की जाती है।

The House then adjourned at forty-seven minutes past eleven of the clock till thirty minutes past twelve of the clock.

The House reassembled at thirty minutes past twelve of the clock, THE DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.